घड़ दे रे सुनार के चांदी का एक सोटा भजन लिरिक्स

घड़ दे रे सुनार के,
चांदी का एक सोटा,
घड़ दे रे सुनार के।bd।

पैसे की तु,
फिकर ना करीये,
सोटे में रंग भक्ति,
का भरीये,
दर्जी प सिमाणा,
एक लाल सा लंगोटा,
घड़ दे रे सूनार के,
चांदी का एक सोटा,
घड़ दे रे सुनार के।bd।

इस सोटे क घुंघरु,
भी लाईए,
श्रीराम की फोटो,
बणवाईए,
देर ना लगाईए,
फिकर होरया मोटा,
घड़ दे रे सूनार के,
चांदी का एक सोटा,
घड़ दे रे सुनार के।bd।

जय बालाजी,
सोटे पे लिखणा,
सोटा चाहिए,
सोहणा सा दिखणा,
अच्छा नहीं लागे रे,
काम कोई खोटा,
घड़ दे रे सूनार के,
चांदी का एक सोटा,
घड़ दे रे सुनार के।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

संग 'कमल' सिंह,
धाम प जाणा,
बाबा के चरणों,
में सोटा चढाणा,
गैल्या लेके जांगी,
एक गंगा जल का लोटा,
घड़ दे रे सुनार के,
चांदी का एक सोटा,
घड़ दे रे सुनार के।bd।

स्वर – नरेंद्र कौशिक।
भजन प्रेषक,
राकेश कुमार
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com